कुल पृष्ठ संख्या – 20 (कवर पेज सहित) (2) क्रम संख्या 3492065

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिए)

ree
Ninety
Three
ार

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय सामाजिक विज्ञान

परीक्षा का दिन मंगलवार

दिनांक 17-02-26

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालन अवश्य करें।

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	18	19	04
2	06	20	04
3	11½	21	
4	02	22	
5	02	23	
6	02	24	
7	02	25	
8	02	26	
9	02	27	
10	02	28	
11	02	29	
12	02	30	
13	02	31	
14	03	योग	78½
15	03	प्राप्तांकों का कुल योग (Round off)	
16	03	अंकों में	शब्दों में
17	03	79	उनयासी
18	04		

परीक्षक के हस्ताक्षर ....

संकेतांक 56573

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ: 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 60 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज़ ही उपयोग में लिया गया है। 181 / 2026

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर ही अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:–
   - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिए। परीक्षार्थी उत्तर पुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केल्क्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
   - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिख कर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिए, इसकी जांच कर लें।
   - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		खण्ड - अ
	प्र.1	
1	(i)	(द) ज्युसेपे मेत्सिनी
1	(ii)	(ब) अफ्रीका
1	(iii)	(द) उत्पादन में वृद्धि
1	(iv)	(अ) ई.वी रामास्वामी नायकर
1	(v)	(ब) 1878
1	(vi)	(अ) पुरानी जलोढ़ मृदा
1	(vii)	(अ) राजस्थान में वर्षा जल संग्रहण की स्थानीय संरचनाएं
1	(viii)	(अ) सीमेंट
1	(ix)	(अ) राष्ट्रीय राजमार्ग
1	(x)	(द) सामुदायिक सरकार
1	(xi)	(स) 1954
1	(xii)	(ब) नारीवादी

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	(xiii)	(स) बहुजन समाज पार्टी
1	(xiv)	(ब) राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबन्धन
1	(xv)	(द) जाल
1	(xvi)	(अ) साहूकार
1	(xvii)	(ब) आयात पर कर
1	(xviii)	(स) कृषि उत्पाद पर
18		
01	प्र.2 (i)	नेपोलियन की संहिता
1	(ii)	काली
1	(iii)	1/3 (एक-तिहाई)
1	(iv)	ब्रुसेल्स
1	(v)	सार्वजनिक
1	(vi)	वैश्वीकरण
06		

BSER-187/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र3)

1 (i) वीटो - निषेधाधिकार, यदि कानुनशेरक व्यक्ति की असहमति से उसे खारिज कर देना, वीटो कहलाता है।

01 (ii) मुद्रण संस्कृति से छापेखाने के अविष्कार कराया गया। जिससे अनेक पुस्तकालय खुले गए व किताबे सस्ती हो गई जिससे गरीब लोग, श्रमिक भी किताब पढ सकते है।

1 (iii) मुद्रण की पहली तकनीक चीन, जापान में विकसित हुई।

1 (iv) सततविकास - ऐसा विकास जो पर्यावरण को बिना नुकसान पहुंचाये हो और भविष्य की पीढीयो की आवश्यकताओ की अवहेलना न करे। सततविकास सतत पोषणीय विकास पर आधारित है।

01 (v) प्राकृतिक संसाधन जैसे वनो में आदिवासी निवास करते है। वे ही उनकी आय का स्रोत है वे इन वनो को संरक्षण के लिए निम्न उपाय करते है।
जैसे :- (i) राजस्थान के अलवर जिले मे 1800 हेक्टेयर भुमि को भैरो देव डाकव सेंपुरी घोषित कर दिया जिसके अपने ही कानुन है और दूसरे लोगो के प्रवेश निषेध है। (ii) बिश्नोई समाज में चिंकारा, हिरण, हाथी आदि जानवर पाए जाते है।
(iii) 1988 में ओडिशा में संयुक्त वन प्रबन्धन जारी करके।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
0/1	(vi)	लौह एवं इस्पात उद्योग को आधारभुत उद्योग इसलिए कहते है क्योकि इसकी मशीनरी पर अन्य छोटे उद्योग निर्भर है।
1	(vii)	श्रीलंका अधिकांश आबादी दो जातीय समुहो में बँटी हुई है। जिनमे सबसे ज्यादा सिंहली (75%) है तथा इसके अलावा तमिल (18%) है।
1	(viii)	साम्प्रदायिकता का सबसे बुरा रूप हमारे दैनंदिन जीवन में देखने को मिलते है। इसमे धार्मिक पुर्वाग्रह, एक धर्म को दुसरे धर्म से श्रेष्ठ मानने की अवधारणा सम्मिलित है। विभाजन के समय भयावह साम्प्रदायिक दंगे एक बुरी बात है।
1	(ix)	राजनीति में गठबन्धन या मोर्चा से अभिप्राय जब दो या अधिक पार्टीयाँ सत्ता में आने के लिए हाथ मिला लेते है। इसे गठबन्धन या मोर्चा कहते है।
1	(x)	सिक्को के चलन से पहले वस्तु, अनाज पशुओ आदि का प्रयोग मुद्रा के रूप में होता था। अर्थात वस्तु विनिमय होता था।
1/2	(xi)	अमेरिकी किसान अपने कृषि उत्पादो को असाधारण रूप से कम कीमत पर बेच सकते थे। क्योकि अमेरिका में पांच करोड लोग इंग्लैण्ड से

परीक्षक द्वारा प्राप्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

जाकर बस गए। जिससे वहाँ कृषि लागत कम हो गई। तथा कृषि में अतिउत्पादन की स्थिति बनी हुई थी। इस कारण वे सस्ती किमत पर फसल बेच सकते हैं।

1 (xii) 1960 के दशक में उपभोक्ता आन्दोलन के उदय के कारण निम्न है।

(क) उपभोक्ताओ में असंतोष, व उपभोक्ता अधिकारों का कमद्ध।

(ख) जमाखोरी, कालाबाजारी आदि

11½

खण्ड - ब

प्र.5.) उ.

02

उन्नीसवी सदी में कलाकारो ने देश को कुछ युं चित्रित किया जैसे वह कोई व्यक्ति हो। यह कथन सर्वोचित है। जैसे- फ्रांसीसी क्रान्ति के दौरान कलाकारो ने राष्ट्र को नारी रूप दिया गया। जिसका एक लोकप्रिय ईसाई नाम मारीआन दिया गया।

इसी प्रकार जर्मनी में जर्मेनिया को राष्ट्र की छवि के रूप में दर्शाया गया। जो बलुत वृक्ष के मुकुट पहनती है. जर्मनि बलुत वीरता का प्रतीक है।

ये कोई दरअसल कोई नारी नही है परन्तु इन्हे स्वतन्त्रता व राष्ट्र निर्माण के प्रतीक के रूप में दर्शाया गया है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

01 प्र.5) द्वितीय विश्व युद्ध में शामिल धुरी शक्तिया के नाम निम्न है।
(i) जर्मनी
(ii) आटोमन - तुर्की
(iii) आस्ट्रीया - हंगरी

02 प्र.6) भारत में सिंचित भुमि के क्षेत्र के बढने से जलक्रांतता बढती है। व इससे जल का अत्याधिक दोहन होता है। जिसके कारण भुमिगत जल स्तर में गिरावट आती है। भु-उपयोग प्रारुप परिवर्तित होता है। भुमि निम्निकरण की समस्या बढ जाती है।

02 प्र.7. 'उर्जा की बचत ही उर्जा का उत्पादन है।' कथन के माध्यम से उर्जा ससांधनो के सरंक्षण निम्न प्रकार किया जा सकता है।
(i) जब लाइट का उपयोग न हो तो उसे बन्द कर दे।
(ii) निजि वाहनो की अपेक्षा सार्वजनिक वाहनो का प्रयोग करे।
(iii) नवीकरणीय योग्य ससांधनो का प्रयोग करे न कि गैर नवीकरणीय साधनो का।

BSER-18/2026

माध्यमिक परीक्षा, 2026
SECONDARY EXAMINATION, 2026
सामाजिक विज्ञान
SOCIAL SCIENCE

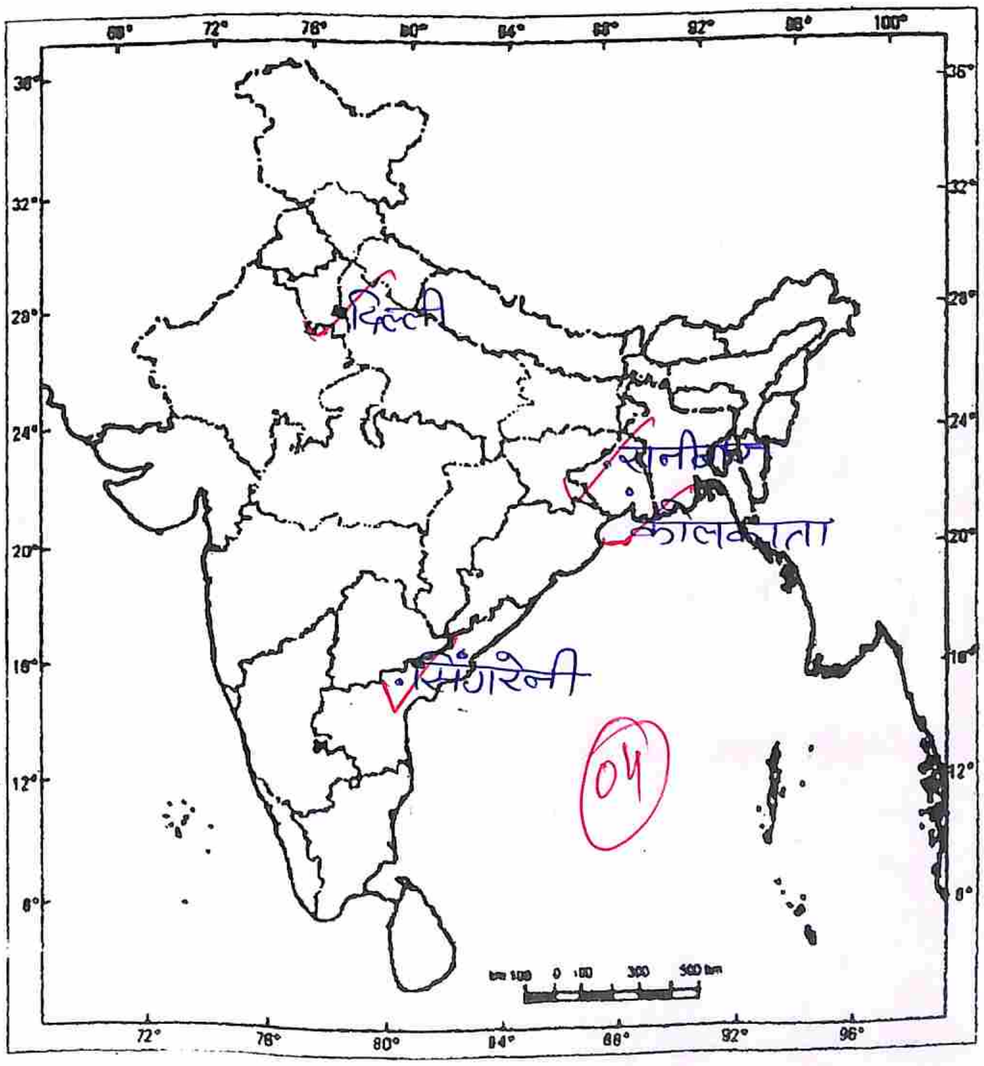

DO NOT WRITE ANYTHING HERE

परीक्षक द्वारा प्राप्तांक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

02 8.) हमारे अनुसार राजनीति में जाति अनेक रूप ले सकती है जैसे :-
उम्मीदवारो का नामांकन तय करने में :- चुनाव के समय में चुनाव आयोग ऐसे क्षेत्र से उम्मीदवार को चुनते है जिस क्षेत्र में उस जाति के लोगो की संख्या अधिक हो। ताकि उम्मीदवार जो जीतने के लिए आवश्यक वोट मिल सके।

02 9. विपक्षी दल की लोकतन्त्र में निम्न भूमिका होती है। दलो के कार्यों में विपक्षी दलो का कार्य भी बहुत महत्त्वपुर्ण है। वह शासक दल की कमियों को जनता के सामने लाता है। इसके अलावा वह स्वयं भी कुछ नीतिया लागु करता है। इस प्रकार विपक्षी दल, जनता व सकर सरकार को गोलबन्द करता है।

02 प्र10) यू एनडीपी द्वारा प्रकाशित मानव विकास रिपोर्ट में देशो की तुलना निम्न आधार पर की जाती है।
(i) शैक्षिक स्तर
(ii) स्वास्थ्य स्थिति

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

02 11.) कृषि क्षेत्र में अतिरिक्त रोजगार का सृजन के लिए निम्न उपाय है।

(i) सरकार द्वारा सिंचाई के नहर व कुएँ, नलकूपों के द्वारा सहयोग करना।

(ii) कृषि उत्पादो को लाने व लेजाने हेतु सडको व परिवहन साधनो का विकास करके।

(iii) सरकार द्वारा कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराना

(iv) कृषि आधारित लघु उद्योगो की स्थापना करके।

02 प्र.12.) सकल घरेलू उत्पाद की गणना में मध्यवर्ती वस्तुएँ के मुल्य को शामिल नही किया जाता। क्योंकि अन्तिम वस्तु के मुल्य में मध्यवर्ती वस्तुओं का मुल्य पहले से ही शामिल होता है। मध्यवर्ती वस्तुए की गणना करने से एक ही वस्तु की गणना अनेक बार हो जाती है। इसलिए मध्यवर्ती वस्तुओं का मुल्य की गणना आवश्यक नही है। जैसे बिस्कुट के मुल्य में आटा, गेहुं, तेल आदि वस्तुओ का मुल्य शामिल है।

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

02

13. जब बहुराष्ट्रीय कम्पनी स्थानीय कंपनी के साथ संयुक्त रूप से उत्पादन करती है, तो इससे स्थानीय कम्पनी को दोहरा लाभ होता है।

(i) बहुराष्ट्रीय कम्पनी उसके उत्पादन में निवेश करती है।

(ii) कम्पनी अपने साथ नवीन प्रौद्योगिकी साथ लाती है।

खण्ड - स

03

प्र.14) मशीनी उद्योगो के युग से पहले अन्तर्राष्ट्रीय कपडा बाजार में भारत की स्थिति निम्न प्रकार थी

(i) भारत के कपडो का दबदबा :- मशीनी उद्योगो के युग से पहले अन्तर्राष्ट्रीय कपडा बाजार में भारत के रेशमी और सुती उत्पादो का ही दबदबा रहता था।

(ii) कपास का महीन होना :- भारत में मिलने वाला कपडा अन्य देशो की तुलना में महिन किस्म का था। इसलिए अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में इनकी मांग ज्यादा थी।

(iii) विदेशी शक्तियो द्वारा व्यापार करना :- आर्मीनियन

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

व फारसी सौदागार इन उत्पादो को पंजाब, अफगानिस्तान, पुर्वीफारस आदि स्थानो पर ले जाते थे। सौदागार ऊंट की पीठो पर लादकर, जहाजो से इन उत्पादो को ले जाते थे।

(iv) भारतीय बन्दरगाहो द्वारा व्यापार - सुरत व हुगली बन्दरगाहो द्वारा व्यापार होता था। गुजरात के तट पर स्थित सुरत बन्दरगाह भरतखाडी व लालखाडी को जोडता था। सौदागारो के द्वारा ये बन्दरगाह देश के आन्तरिक क्षेत्र तक जुडे है।

03 — प्र.15) भारतीय कृषि में हुए प्रौद्योगिकीय व संस्थागत सुधार निम्न है।

(i) भुमि पर पुश्तैनी अधिकार के कारण जोतो का आकार छोटा व अलाभप्रद है। जिसके कारण जोतो की चकबन्दी, सहकारिता आदि संस्थागत सुधार किए गए।

(ii) 1950 व 1960 के दशक के कारण उपायो का कम उपयोग व सुधार हुआ इसके बाद पैकेज टेक्नोलोजी पर आधारित हरितक्रान्ति ने भी कृषि उत्पादो में सुधार हुआ।

परीक्षक द्वारा अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iii) ऑपरेशन फ्लड (श्वेत क्रान्ति) के द्वारा दुग्ध उत्पादन में वृद्धि की गई।

(iv) 1980 के दशक में व्यापक भूमि सुधार आन्दोलन शुरू हुआ। जिसके कारण किसानो को निम्न सुविधाएँ दिए गए। जैसे - सुखे व अतिवृष्टि के कारण फसल का खराब होने की दृष्टि में मुआवजा व सरकार द्वारा कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराकर भी सुधार किया गया।

(v) किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) व व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना की शुरुआत कि गई।

(vi) आकाशवाणी के द्वारा मौसम की जानकारी देना।

(vii) कृषि के लिए उन्नत बीज, उर्वरक व कृषि उत्पादो के लिए न्युनतम समर्थन मुल्य सुनिश्चित किया गया।

03 प्र.16. लोकतन्त्र में आर्थिक संवृद्धि और विकास की स्थिति तानाशाहीयो की तुलना में कम है। लोकतान्तिक व्यवस्थाएँ आर्थिक असमानताओ को दूर करने के लिए ज्यादा सफल नही रही। क्योंकि लोकतन्त्र में आर्थिक स्थिति के अलावा व्यक्ति की आजादी, गरिमा, समानता आदि पर जोर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

जोर दिया जाता है। जिसके कारण आर्थिक सम्वृद्धि के मामले में लोकतन्त्र की स्थिति ज्यादा बेहतर नहीं है। परन्तु अकेले इस कारण से लोकतन्त्र को खारिज नहीं किया जाता है। परन्तु हम लोकतन्त्र को हर मर्ज की दवा समझ लेते है और हमारी इच्छाओ की पुर्ति न होने पर हम उन्हे दोष देने लगते है। हमे लोकतन्त्र में आर्थिक स्थिति व विकास का स्तर कम है। तानाशाही सरकार में आर्थिक स्थिति व विकास का स्तर अधिक है क्योकि इस प्रकार की सरकार में केवल आय (आर्थिक स्थिति) की चिंता रहती है। इस सरकार में आजादी, स्वतन्त्रता समानता आदि कम होते है। लोकतन्त्र आर्थिक असमानता ओ को दुर करने में सफल नही है। इस प्रकार लोकतान्त्रिक व्यवस्था में आर्थिक सवृद्धि व विकास की स्थिति तानाशाहीयो की तुलना में कम है अर्थात ज्यादा बेहतर नही है।

03 प्र.17) चेक - चेक एक ऐसा कागज होता है जिसमे भुगतानकर्ता जिसका किसी बैंक में खाता है। एक निश्चित रकम के लिए बैंक को चेक पर लिखे नाम वाले व्यक्ति के खाते में भुगतान के लिए आदेश देता है।

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

बैंक प्रणाली में चेक का महत्त्व :-

(i) चेक के द्वारा बिना मुद्रा के उपयोग के बिना एक व्यक्ति के खाते से दूसरे व्यक्ति के खाते में रुपयों का स्थानान्तरण हो सकता है।

(ii) चेक के द्वारा भुगतान को आजकल विनिमय का माध्यम माना जाने लगा है। क्योंकि यह एक विशेष व्यवस्था प्रदान करता है।

(iii) चेक से भुगतान के लिए एक व्यक्ति चेक लिखता है। जिसका किसी बैंक में खाता है। एक निश्चित रकम के लिए चेक लिखता है। जो उस पर लिखे व्यक्ति के नाम के खाते में स्थानान्तरण हो जाता है।

(iv) आधुनिक समय में मुद्रा के दो रूप हैं (i) करेंसी व बैंको में निक्षेप। जिसे चेक द्वारा मांग के अनुसार निकलाया जा सकता है।

खण्ड - द

18.) महात्मा गाँधी के नेतृत्व में अनेक प्रमुख आन्दोलन चलाए गए जो निम्न है।

04

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(i) सत्याग्रह आन्दोलन :- गांधीजी ने भारत में 1915 से 1917 तक भारत के गाँवो का दौरा किया। उन्होंने 1917 में बिहार के चम्पारण जिले में किसानो की हालात के बारे में सुना व एक आन्दोलन शुरु किया गया जिसे चम्पारण सत्याग्रह आन्दोलन कहते है। उसी वर्ष 1917 में गुजरात के खेडा व 1918 में अहमदाबाद में मजदूरो की जिन्दगी के कारण सत्याग्रह चलाया।

(ii) रोलेट सत्याग्रह :- इन आन्दोलनो से प्रभावित होकर गांधीजी ने रोलेट सत्याग्रह शुरु किया। इसे 6 अप्रैल 1919 को शुरु होना था। रोलेट एक्ट के लागु होने के बाद गुस्सायी भीड ने सडको पर उतर गई, सडको को बन्द किया गया। लेकिन अंग्रेजो ने आन्दोलन को शान्त करने के लिए दमनकारी निति अपनायी। 10 अप्रैल 1919 को भीड पर गोली चलायी। इसके बाद 13 अप्रैल 1919 में को जनरल डायर ने जलिया वाला बाग में शान्तिपूर्ण जुलूस एकत्रित लोगो को गोली से मार दिया, इसके बाद राष्ट्रवादियो को घुटने टेकने व घसीटकर चलने का आदेश दिया। गांधीजी ने फिर पुनः इस आन्दोलन को वापस ले लिया।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iii) असहयोग -खिलाफत आन्दोलन :- गाँधीजी ने हिन्दु व मुस्लिम को एकत्रित करने के लिए खिलाफत आन्दोलन को शुरु करना चाहा। प्रथम विश्वयुद्ध में ओटोमन तुर्की की हार हो चुकी थी। आध्यात्मिक विश्व के नेता खलीफा की तात्कालिक शक्तियो को बचाने के लिए खिलाफत समिति का गठन हुआ दिसम्बर 1920 को कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में गांधीजी ने लोगो को खिलाफत आन्दोलन पर सहमति व असहयोग आन्दोलन शुरु करने के लिए राजी किया। गांधीजी ने जनवरी 1921 को इस आन्दोलन को शुरु किया तो लोगो ने इसमे जमकर भाग लिया। सरकारी स्कूल कॉलेज छोड दिए। लेकिन फरवरी 1922 को चौरा-चौरी काण्ड के कारण गांधीजी ने इसे वापस ले लिया।

(iv) सविनय अवज्ञा आन्दोलन :- गांधीजी ने इरविन को एक पत्र लिखा जिसमे ग्यारह प्रमुख मांगे थे। उन्होने कहा की यदि 11 दिन मे इन मांगो को नही माना गया तो कांग्रेस सविनय अवज्ञा छेड देगी। गांधीजी ने 78 विश्वस्त सहकर्मियो के साथ दांडी तक नमक यात्रा शुरु की और नमक बनाकर नमक कानुन तोडा। अप्रैल 1930 मे शुरु इस आन्दोलन में न केवल अंग्रेजो का असहयोग करने बल्कि उनकी नीतियो का बहिष्कार भी लिया

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

से लिया गया। इसमे किसान, व्यवासिक वर्ग मजदुरो व महिलाओ ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया, शराब की दुकानो की पिकेटींग की गयी। परन्तु जब सितम्बर 1932 में इनकी मांगो को पुरी किए बिना आन्दोलन को वापस लिया गया तो वे निराश हुए व 1933 में वापस आन्दोलन के शुरु होने पर इतनी उत्साह से सहयोग नही दिया। 1934 तक यह आन्दोलन धीमा पड़ गया।

04

BSER-181/2026

प्र.19.

	संघीय शासन व्यवस्था	एकात्मक शासन व्यवस्था
(i)	इसमे दो या अधिक स्तर की सरकारे होती है।	(i) इसमे केवल एक स्तर की सरकार होती
(ii)	इसकी शक्तिया केन्द्र सरकार व उसकी आनुषगिक इकाइयो में बंटी होती है।	(ii) इसकी शक्तियो केवल केन्द्र सरकार में होती है। बाकी इकाईया इसके नीचे काम करती है।
(iii)	इसमे केन्द्र सरकार राज्य सरकारो को कुछ खास करने का आदेश नही दे सकती।	इसमे केन्द्र सरकार राज्य सरकारो को कुछ खास आदेश दे सकती है।
(iv)	इसमे राज्य सरकार केन्द्र सरकार के प्रति जवाबदेह नही होती।	इसमे राज्य सरकार केन्द्र सरकार के प्रति जवाबदेही होती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर	
		(v) इसमे केन्द्र व राज्य सरकारो के मध्य अधिकारो को बांटा जाता है।	(v) इसमे केन्द्र व राज्य सरकारो के मध्य अधिकारो को नही बांटा जाता, अर्थात केन्द्र सरकार उन अधिकारो को ले भी सकती है।
		(vi) केन्द्र व राज्य सरकारो के मध्य विवादो को न्यायपालिका निर्णलेती है।	(vii) इसमे केन्द्र व राज्य सरकार के मध्य विवाद ही नही होता व न्यायपालिका भी नही होती,
		(vii) जैसे :- भारत, बेल्जियम	(viii) जैसे :- श्रीलंका, इग्लैण्ड

कार्य - समाप्त

कुल योग => 78½ = 79

उनथ्यासी

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026